© UNIVERSAL RESEARCH REPORTS | REFEREED | PEER REVIEWED
ISSN : 2348 - 5612 | Volume : 04 , Issue : 13 | October – December 2017

पुष्पा सक्सेना की कहानियां – कथ्य एवं भाषा

सुमन बाला

भारत के इलाहाबाद शहर में जन्मी एवं पली बढ़ी पुष्पा सक्सेना का हिन्दी कहानी साहित्य में महत्वपूर्ण नाम है। इलाहाबाद में पली बढ़ी पुष्पा सक्सेना लम्बे समय से अमेरिका में रह रही है, और अमेरिका में रह रहे भारतीयों के जीवन पर आधारित लेखन में रत है। ''पुष्पा सक्सेना ने लगभग 25 कहानियों की रचना की है जिसमें जीवन प्रसंग एवं सामाजिकता का अनूठा मिश्रण है''। समाज वर्णन साहित्य का आधार कथ्य होता है। साहित्यकार समाज में रहते हुए प्रत्यक्ष एवं प्रत्यक्ष से अलग अपनी अभिव्यक्ति को लेखनी का आधार बनाता है। इसके महत्वपूर्ण विषय अपने समाज से जुड़े हुए समाज के सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं मनोवैज्ञानिक मुद्दों से सम्बन्धित होते हैं। ''लेखिका पुष्पा सक्सेना प्रवासी भारतीय लेखिका है। उन्होंने अपने आस–पास के भारतीय जीवन मूल्यों और अमेरिका जीवन मूल्यों की टकराहट को विषेष कथ्य के रुप में अपनाया है''। ये कहानियां भारत के ऐसे षिक्षित समाज की कहानियां है, जो उच्च षिक्षा व बेहतर कैरियर और बेहतर जीवन के लिए भारत में पैदा होने पर प्रवासी भारतीय बनने की ललक रखता है। प्रवास शब्द 'वास' धातु में प्र लगाने से बना है। 'वास' का प्रयोग निवास अथवा रहने के लिए किया जाता है। परन्तु 'प्र' उपसर्ग के रुप में लगाने से इसका अर्थ बदल जाता है। ''विषेष रुप से प्रवास का अर्थ विदेष गमन और विदेष में रहने के अर्थ में किया जाता है''। भारत देष गॉवों का देष है, आज भूमंडलीकरण के प्रभाव से बहुत सारे भारतीय विदेषी जीवन की चकाचौंध से प्रभावित होकर विदेषों में बसने की इच्छा से अपने कार्य और व्यवसाय का चुनाव करने और विदेष में बस जाते है। परन्तु कालांतर में उनकी सोच और जीवन शैली का परिवर्तन और उनके कार्य का दबाव उनमें जीवन के प्रति घृणा का भाव पैदा कर देता है। चकाचौंध की बिजली गुल हो जाती है। भारत में स्वर्ग सा लगने वाला जीवन नाटकीय बन जाता है। जीवन से उनका मोह भंग हो जाता है। अपनी मृगतृष्णा की उनको बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। वह अपनी भारतीयता की ओर लौटना चहाता है लेकिन यह संभव नहीं हो पाता लेखिका पुष्पा सक्सेना ने इसी विडम्बना को अपना केंद्र कथ्य बनाया है। 'कमल किषोर गोयनका' 'पुष्पा सक्सेना' की कहानियों को लेकर कहते है, ये कहानियां व्यापक प्रवासी परिदृष्य का उद्घाटन करती है जो अमेरिका के मायाजाल को खोलता ओर मृग तृष्णा के सत्य को उद्घाटित करता है''।

उसके हिस्से का पुरुष, सूर्यास्त के बाद, उसका सच, पीले गुलाबों के साथ एक रात, तुम्हें पाकर पुष्पा सक्सेना के महत्वपूर्ण संकलन है। इनके अतिरिक्त पुष्पा सक्सेना की संकलित